School Lecturer [Sanskrit Edu. Deptt.] Exam-2024
Exam Date:- 21.11.2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 07

LSK-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

818437

Sub : Vyakranam
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- **प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।**
- **प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है । किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।**

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा** । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10. * **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the O.M.R. Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10. * **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. "आङि चापः" इत्यत्र आङा कस्य ग्रहणं भवति ?
(1) 'औङ्' प्रत्ययस्य
(2) 'टा' प्रत्ययस्य
(3) 'ओस्' प्रत्ययस्य
(4) 'ङसिङसोः' प्रत्यययोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. क्लीबात्परस्यौङः शी स्यात्
(1) 'वा नपुंसकस्य' इति सूत्रेण ।
(2) 'नपुंसकाच्च' इति सूत्रेण ।
(3) 'औङः' इति सूत्रेण ।
(4) 'नपुंसकस्य झलचः' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. 'वारिणी' इत्यत्र नुमागमो भवति
(1) 'नपुंसकस्य झलचः' इति सूत्रेण ।
(2) 'आङो यि' इति सूत्रेण ।
(3) 'वा नपुंसकस्य' इति सूत्रेण ।
(4) 'इकोऽचि विभक्तौ' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'युष्मान्' इत्यत्र नकारादेशो भवति
(1) 'तस्माच्छसो नः पुंसि' इति सूत्रेण
(2) 'ङे प्रथमयोरम्' इति सूत्रेण
(3) 'वाऽम्शसोः' इति सूत्रेण
(4) 'शसो न' इति सूत्रेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. 'विश्ववाह्' इति प्रातिपदिकस्य षष्ठीबहुवचने साधु रूपं कतमत्
(1) विश्ववाहाम् (2) विश्ववहाम्
(3) विश्वौहाम् (4) विश्वौहानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. "न मु ने" इति सूत्रप्रवृत्तेः फलभूतमुदाहरणं निर्दिशत
(1) अमून् (2) अमुना
(3) अमुयोः (4) अमीषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. 'प्रथमायाश्च द्विवचने भाषायाम्' इति सूत्रेण भवति
(1) एत्वम् (2) यत्वम्
(3) आत्वम् (4) नत्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. "आपः" इत्युदाहरणे दीर्घविधिः क्रियते –
(1) 'सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ' इत्यनेन ।
(2) 'अत उपधाया' इति सूत्रेण ।
(3) 'अप्तृन्तृच्०' इत्यादिना सूत्रेण ।
(4) 'अप आपः' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. 'पशु' इत्यव्ययस्य कोऽर्थः ?
(1) शीघ्रम् (2) सम्यक्
(3) कुत्सा (4) प्रासिद्धिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. "अव्ययीभावश्च" इत्यस्योदाहरणभूतमव्ययपदं निर्दिशत
(1) अधिहरि (2) उच्चैः
(3) ऊर्ध्वम् (4) पचतिकल्पम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. 'स्मारं स्मारम्' इत्यत्र अव्ययसंज्ञा केन सूत्रेण विधीयते ?
(1) 'स्वरादिनिपातमव्ययम्' इत्यनेन
(2) 'कृन्मेजन्तः' इत्यनेन
(3) 'क्त्वातोसुन्कसुनः' इत्यनेन
(4) 'अव्ययीभावश्च' इत्यनेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. अव्ययसंज्ञकोऽस्ति
(1) जीवसे (2) गतौ
(3) गोत्वम् (4) पचतिकल्पम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. 'क्त्वातोसुन्कसुनः' इत्ययस्योदाहरणं नास्ति
(1) कृत्वा (2) उदेतोः
(3) जीवसे (4) विसृपः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. "उपाध्याया" इति शब्दस्य साधु विवरणम् अस्ति
(1) उपाध्यायस्य स्त्री
(2) उपाध्यायजातेः स्त्री
(3) या स्वयम् अध्यापयति
(4) उपाध्याययोगो यस्याः, सा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. एषु अञन्ताद् ङीबन्तस्य उदाहरणं कतमद् वर्तते ?
(1) ऐन्द्री (2) औत्सी
(3) सौपर्णेयी (4) चौरी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. 'नर्तकी' इत्यत्र स्त्रीत्वद्योतकप्रत्ययविधायकं सूत्रमस्ति
(1) अन्यतो ङीष्
(2) वोतो गुणवचनात्
(3) 'टिड्ढाणञ्०' इत्यादि
(4) षिद्गौरादिभ्यश्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. 'गार्गी' इत्यत्र केन सूत्रेण स्त्रीप्रत्ययो भवति ?
(1) यञश्च (2) वयसि प्रथमे
(3) ऋन्नेभ्यो ङीप् (4) षिद्गौरादिभ्यश्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. 'आकृतिग्रहणा जातिः' इत्यस्योदाहरणं वर्तते
(1) वृषली (2) तटी
(3) कठी (4) कलापी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. "द्रोणो व्रीहिः" इति प्रयोगविषये साधुकथनं चिनुत ।
(1) प्रकृत्यर्थे परिमाणे प्रत्ययार्थोऽभेदसंसर्गेण विशेषणम् ।
(2) व्रीहिः प्रत्ययार्थे परिमाणे विशेषणम् ।
(3) प्रत्ययार्थे परिमाणे प्रकृत्यर्थोऽभेदसंसर्गेण विशेषणम् ।
(4) प्रकृत्यर्थे परिमाणे प्रत्ययार्थो भेदसंसर्गेण विशेषणम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' इत्यत्र कर्मग्रहणं किमर्थम् ?
(1) कर्मसंज्ञार्थम्
(2) कर्मप्रवचनीयसंज्ञानिवृत्त्यर्थम्
(3) अनीप्सिते कर्मसंज्ञार्थम्
(4) आधारनिवृत्त्यर्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. एषु अधिकरणत्वेन अविवक्षितस्य कर्मण उदाहरणवाक्यं किम् ?
(1) क्षीरं पायसं पचति
(2) यज्ञदत्तं शतं दण्डयति
(3) धेनुं दुग्धं दोग्धि सः
(4) व्रजमवरुणद्धि गाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. 'क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानामि'ति सूत्रे ईर्ष्या अस्ति –
(1) द्वेषः (2) द्रोहः
(3) अक्षमा (4) अनसूया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. एषु कतमः सिद्धान्तपक्षोऽस्ति ?
(1) उक्ते कर्तरि करणे च तृतीया भवति ।
(2) उक्ते कर्तरि अनुक्ते करणे च तृतीया भवति ।
(3) अनुक्ते कर्तरि करणे च तृतीया भवति ।
(4) अनुक्ते कर्तरि उक्ते करणे च तृतीया भवति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. 'वारणार्थानामीप्सितः' इति सूत्रे वारणमस्ति –
(1) प्रवृत्तिः
(2) सत्प्रवृत्तिः
(3) प्रवृत्त्युन्मुखीकरणम्
(4) प्रवृत्तिविघातः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. पर्याप्त्यर्थवाचकस्य 'अलम्' शब्दस्य योगे विभक्तिः भवति—
(1) तृतीयाविभक्तिः
(2) प्रथमाविभक्तिः
(3) चतुर्थीविभक्तिः
(4) सप्तमीविभक्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. यथादीक्षितमतं "गोमयाद् वृश्चिकाः जायन्ते" इति वाक्ये गोमयस्य अपादानसंज्ञा केन सूत्रेण विधीयते ?
(1) 'जनिकर्तुः प्रकृतिरि'त्यनेन
(2) 'भुवः प्रभव' इत्यनेन
(3) 'आख्यातोपयोगे' इत्यनेन
(4) 'वारणार्थानामीप्सितः' इत्यनेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. 'उभयप्राप्तौ कर्मणि' इति सूत्रे 'उभय' पदेन कयोर्ग्रहणमस्ति ?
(1) भावकर्मणोः
(2) कर्तृकर्मणोः
(3) भावकरणयोः
(4) सम्बन्धापादानयोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. आधारस्य त्रिषु प्रकारेषु कः नास्ति ?
(1) औपश्लेषिकः
(2) वैषयिकः
(3) आत्यन्तिकः
(4) अभिव्यापकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. यथानियतग्रन्थं कियन्तः स्वराः भवन्ति ?
(1) विंशतिः
(2) एकविंशतिः
(3) पञ्चविंशतिः
(4) नव
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. पाठके कति गुणाः पाणिनीयशिक्षायां समर्थिताः सन्ति ?
(1) पञ्च (2) षट्
(3) सप्त (4) अष्ट
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. वेदस्य मुखं किमुच्यते ?
(1) छन्दः (2) ज्योतिषम्
(3) व्याकरणम् (4) निरुक्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. 'मि' प्रत्ययान्ताः 'नि' प्रत्ययान्ताश्च धातुजाः शब्दाः किंल्लिङ्गकाः भवन्ति ?
(1) स्त्रीलिङ्गाः
(2) पुँल्लिङ्गाः
(3) नपुंसकलिङ्गाः
(4) स्त्रीलिङ्गाः पुँल्लिङ्गाश्च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. निधिशब्दो वर्तते
(1) स्त्रीलिङ्गे
(2) नपुंसकलिङ्गे
(3) पुंल्लिङ्गे
(4) पुम्-स्त्रीलिङ्गे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. 'अपदिशम्' इत्यत्र कथम् अव्ययीभावसमासः ?
(1) पश्चादर्थे समासः
(2) व्यृद्ध्यर्थे समासः
(3) समीपार्थे समासः
(4) अव्ययमिति योगविभागात् समासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'सप्तानां गङ्गानां समाहारः' इति विग्रहे कृतसमासं साधुरूपं किम् ?
(1) सप्तगङ्गम्
(2) सप्तगङ्गाः
(3) गङ्गसप्तकम्
(4) गङ्गासप्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. 'अनुविष्णु' इत्यव्ययीभावे कः विग्रहो न्याय्यः ?
(1) विष्णोः अनुरूपम्
(2) विष्णोः पश्चात्
(3) विष्णोः सादृश्यम्
(4) विष्णुं समया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. एषु तत्कृतगुणवचनेन सह तृतीयायाः समासस्य उदाहरणं कतमत् ?
(1) शङ्कुलाखण्डः (2) धान्यार्थः
(3) असिच्छिन्नः (4) नखनिर्भिन्नः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. पूर्वस्यां शालायां भवः = 'पौर्वशालः' इत्ययं समासः एषु कस्मिन् अर्थे जातः ?
(1) समाहारे
(2) उत्तरपदे परतः
(3) तद्धितार्थे विषये
(4) अन्यपदार्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. 'पञ्चमी भयेन' इत्यस्य किम् उदाहरणम् ?
(1) अतिनदम् (2) गोसुखम्
(3) चोरभयम् (4) भयङ्करः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'कृष्णसर्पः' इत्यत्र केन सूत्रेण समासो विधीयते ?
(1) 'तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन' इत्यनेन ।
(2) 'संज्ञायाम्' इत्यनेन ।
(3) 'विशेषणं विशेष्येण बहुलम्' इत्यनेन ।
(4) 'तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. 'हंसी च हंसश्च – हंसौ' इत्युदाहरणं कस्य
(1) अलुक्समासस्य
(2) एकशेषस्य
(3) सर्वसमासस्य
(4) समासान्तस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. 'ऋक्पूरब्धुः पथामानक्षे' इति सूत्रेण किं विधीयते ?
(1) टच्प्रत्ययः (2) अच्प्रत्ययः
(3) 'अ' प्रत्ययः (4) अङ्प्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. निम्नलिखितेषु तादर्थ्ये चतुर्थीतत्पुरुषसमासः भवति
(1) रन्धनाय स्थाली
(2) अवहननाय उलूखलम्
(3) यूपाय दारु
(4) अश्वाय घासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. 'गर्गादिभ्यो यञ्' इति सूत्रेण यञ् प्रत्ययो भवति ?
(1) युवापत्ये (2) अनन्तरापत्ये
(3) गोत्रापत्ये (4) भवार्थे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. 'शिवस्यापत्यम्' इति विग्रहे कतमद्रूपं साधु ?
(1) शैवः (2) शैविः
(3) शैवायनः (4) शैविकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. एषु 'तेन रक्तं रागात्' इति सूत्रस्योदाहरणं वर्तते
(1) गौधेयः (2) काषायम्
(3) पुष्यः (4) श्वाफल्कः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. 'पशुपतिः देवता अस्य' इत्यर्थे साधु रूपं चिनुत
(1) पाशुपत्यम्
(2) पाशुपतेयम्
(3) पाशुपतम्
(4) पशुपतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. 'राजश्वशुराद्यत्' इत्यनेन यति सिद्धस्य 'राजन्य' शब्दस्य कोऽर्थः ?
(1) राज्ञः पुत्रः
(2) राज्ञां समूहः
(3) राजसु भवः
(4) राज्ञो जातिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. तृतीयान्तात् तुल्यमित्यर्थे 'वति' प्रत्ययो भवति, तत्र 'तुल्यम्' इति कस्य विशेषणम् –
(1) क्रियायाः (2) क्रियाद्रव्ययोः
(3) क्रियाद्रव्यगुणानाम् (4) क्रियागुणयोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. "संस्कृतम्" इति सूत्रेण 'ठक्' प्रत्ययो विधीयते
(1) सप्तम्यन्तात् पदात्
(2) षष्ठ्यन्तात् पदात्
(3) पञ्चम्यन्तात् पदात्
(4) तृतीयान्तात् पदात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. 'अनयोः कतरश्छात्रो रामः' इति वाक्ये किं शब्दात् कः प्रत्ययो विहितः ?
(1) तरप् (2) डतरः
(3) डतरत् (4) डतरच्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. 'नित्यवीप्सयोः' इत्यत्र 'नित्य' शब्दस्य कोऽर्थः अभिप्रेतः ?
(1) प्राक्कालिकम् (2) व्याप्तिः
(3) आभीक्ष्ण्यम् (4) कात्स्न्र्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. 'गोमान्' इत्यत्र प्रयुक्तो 'मतुप्' कस्मिन्नर्थे विद्यते ?
(1) भूमार्थे (2) अतिशायने
(3) संसर्गे (4) निन्दायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. 'अभूवन्' इत्यत्र वकारः अस्ति
(1) उवङ् – आदेशस्य
(2) अवादेशस्य
(3) वुगागमस्य
(4) वस्–प्रत्ययस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. 'भविता' इत्यत्र इटो गुणवृद्ध्योः निषेधकं सूत्रं किमस्ति ?
(1) आर्धधातुकस्येड् वलादेः
(2) क्ङिति च
(3) दीधीवेवीटाम्
(4) एकाच उपदेशेऽनुदात्तात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. जक्स् + अतुस् = 'जक्षतुः' इत्यत्र सकारस्य मूर्धन्यादेशः भवति
(1) 'आदेश–प्रत्यययोः' इति सूत्रेण
(2) 'घसिभसोर्हलि च' इति सूत्रेण
(3) 'शासिवसिघसीनां च'ेति सूत्रेण
(4) 'वस्वेकाजाद्घसाम्' इति सूत्रेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. 'एधेते' इत्यत्र 'इय्' केन भवति ?
(1) 'इजादेश्चगुरुमतोऽनृच्छः' इत्यनेन ।
(2) 'सार्वधातुकमपित्' इत्यनेन ।
(3) 'अचिश्नुधातु ----' इत्यादिना ।
(4) 'आतो ङितः' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. 'हु' धातोः लुङि प्रथमपुरुषैकवचने किं रूपम् ?
(1) अजुहत् (2) अजुह्वत्
(3) अजुहोत् (4) अहौषीत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. 'असावीत्' इत्यत्र इडागमो भवति –
(1) 'आर्धधातुकस्येड् वलादेः' इति सूत्रेण ।
(2) 'सिचि च परस्मैपदेषु' इति सूत्रेण ।
(3) 'स्वरतिसूतिसूयति धूञूदितो वा' इति सूत्रेण ।
(4) 'स्तुसुधूञ्भ्यः परस्मैपदेषु' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. 'दीव्यति' इत्यत्र दीर्घः केन सूत्रेण भवति ?
(1) 'हलि च' इत्यनेन ।
(2) 'अत उपधायाः' इत्यनेन ।
(3) 'र्वोरुपधायाः दीर्घ इकः' इत्यनेन ।
(4) 'दिवो दीर्घश्च' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'नरीनृत्यते' इत्यत्र णत्वनिषेधः केन सूत्रेण भवति ?
(1) 'न पदान्ताट्टोरनाम्' इत्यनेन ।
(2) 'न पदान्तद्विर्वचनवरेयलोप०' इत्यादिना ।
(3) 'रीगृदुपधस्य च' इत्यनेन ।
(4) 'क्षुभ्नादिषु च' इत्यनेन ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. आवरणार्थकस्य 'रुधिर्' धातोः 'अरुणः' इति रूपं कुत्र सम्पद्यते ?
(1) झिपरे (2) सिपि
(3) मिपि (4) वसि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. 'गुणो यङ्लुकोः' इति सूत्रेण कस्य गुणो भवति ?
(1) यङि यङ्लुकि च लघूपधस्य
(2) यङि यङ्लुकि अगवयवस्य
(3) यङि यङ्लुकि अभ्यासस्य
(4) यङि यङ्लुकि अभ्यासात्परस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. असमीचीनं विकल्पं चिनुत
(1) अबीभवत् – ओः पुयण्ज्यपरे ।
(2) अचूचुरत् – णिश्रिद्रुस्रुभ्यः कर्तरि चङ् ।
(3) अतिष्ठियत् – तिष्ठतेरित् ।
(4) अध्यापयति – शाच्छासाह्वाव्यावेपां युक् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. 'राजीयति' इत्यस्य विग्रहः प्रदर्शनीयः –
(1) राजानम् आत्मन इच्छति ।
(2) राजा इवाचरति ।
(3) पुत्रं राजानम् इव आचरति ।
(4) अराजा राजा भवति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. 'विजयते' इत्यत्रात्मनेपदविधायकं सूत्रं किम् ?
(1) अनुदात्तङित आत्मनेपदम्
(2) णिचश्च
(3) अकर्मकाच्च
(4) विपराभ्यां जेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. 'बोभूयते' इत्यत्र अभ्यासस्य गुणः केन सूत्रेण ?
(1) 'गुणो यङ्लुकोः' इत्यनेन
(2) 'यङोऽचि च' इत्यनेन
(3) 'गुणोऽपृक्ते' इत्यनेन
(4) 'सर्वं गुणकार्त्स्न्ये' इत्यनेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. सुमेलनं करोतु :

I.	विजयते	A.	अनुपराभ्यां कृञः ।
II.	संतिष्ठते	B.	विपराभ्यां जेः ।
III.	सञ्जानीते	C.	समवप्रविभ्यः स्थः ।
IV.	अनुकरोति	D.	संप्रतिभ्यामनाध्याने ।

	I	II	III	IV
(1)	D	A	C	B
(2)	D	C	A	B
(3)	B	C	D	A
(4)	C	A	D	B

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. "वास्तव्यः" इत्यत्र वृद्धिर्भवति –
(1) 'अचोऽञ्णिति' इति सूत्रेण ।
(2) 'अत उपधायाः' इति सूत्रेण ।
(3) वृद्धिर्न भवति, प्राप्तेरभावात् ।
(4) 'शासिवसिघसीनां च' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. 'चरेष्टः' इति सूत्रेण कस्मिन्नुपपदे 'ट' प्रत्ययो भवति ?
(1) कर्मणि (2) कर्त्तरि
(3) करणे (4) अधिकरणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. 'गोदः' इत्यत्र आकारलोपः केन भवति ?
(1) 'आतो धातोः' इति सूत्रेण ।
(2) 'आतो लोप इटि च' इति सूत्रेण ।
(3) 'आतोऽटि नित्यम्' इति सूत्रेण ।
(4) 'यस्येति चे'ति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. 'अकर्तरि च कारके संज्ञायाम्' इति सूत्रेण विधीयमानः प्रत्ययः कः ?
(1) तुमुन् (2) घञ्
(3) ल्यप् (4) ण्वुल्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे इत्येतद्विषये सत्यकथनं वर्तते –
(1) 'वर्तमाने लट्' इति विहितस्य लटः स्थाने शतृशानचावादेशौ भवतः ।
(2) लटः सम्भावनायां धातोः शतृशानचौ प्रत्ययौ भवतः ।
(3) आत्मनेपदिनः धातोः शतुर्विधानं भवति ।
(4) परस्मैपदिनः धातोः शानच् भवति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. 'पच्' धातोः निष्ठायां किं रूपम् ?
(1) पक्तः (2) पक्नः
(3) पक्मः (4) पक्वः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. 'तुमुन्ण्वुलौ' कस्मिन्नर्थे भवतः ?
(1) स्वार्थे
(2) क्रियार्थायां क्रियायामुपपदे भूते
(3) क्रियार्थायां क्रियायामुपपदे भविष्यत्यर्थे
(4) क्रियार्थायां क्रियायाम् वर्तमाने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. भावे उपसर्गे उपपदे घुसंज्ञकेभ्यो धातुभ्यः प्रत्ययो भवति
(1) अण् – प्रत्ययः
(2) 'ञ' प्रत्ययः
(3) ण्वुल् – प्रत्ययः
(4) कि – प्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. 'आभीक्ष्ण्ये णमुल्च' इत्यत्र चकारात् प्रत्ययो भवति
(1) तुमुन् – प्रत्ययः (2) क्त्वा – प्रत्ययः
(3) घञ् – प्रत्ययः (4) अण् – प्रत्ययः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. "समानकर्तृकयोः पूर्वकाले" इति विहितस्य क्त्वाप्रत्ययस्य कोऽर्थः ?
(1) करणम् (2) कर्म
(3) कर्ता (4) भावः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. 'हयवरट्' इत्यत्र हकारोपदेशस्य किं फलम् ?
(1) 'चतुर्ण्णाम्' इत्यत्र णत्वम् ।
(2) 'देवो हसति' इत्यत्र उत्वम् ।
(3) 'दोग्धुम्' इत्यत्र जश्त्वम् ।
(4) 'भक्तः' इत्यत्र चर्त्वम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. 'हल्' इति सूत्रस्य किं फलम् ?
(1) 'अदाग्धाम्' इत्यत्र सकारलोपः
(2) भविता इत्यत्र गुणः
(3) भिनत्ति इत्यत्र श्नम्
(4) दध्यत्र इत्यत्र यण्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. 'पूर्वत्रासिद्धम्' इत्यत्र कार्यासिद्धत्वपक्षे 'मनोरथः' इत्यत्र कस्य प्रसङ्गः स्यात् ?
(1) 'अतो रोरप्लुतादि'त्यादिना उत्वप्रसङ्गः
(2) 'रो रि' इत्यनेन रेफलोपप्रसङ्गः
(3) 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' इत्यनेन गुणप्रसङ्गः
(4) 'अकः सवर्णे दीर्घः' इत्यनेन दीर्घप्रसङ्गः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. प्रत्याहारग्रहणेषु तद्वाच्यवाच्ये निरूढा'लक्षणा-इत्युक्ते 'इक्' शब्देन कति वर्णाः गृह्यन्ते
(1) षट्षष्टिः (2) त्रिषष्टिः
(3) पञ्चषष्टिः (4) चतुष्षष्टिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. हयवरट् सूत्रे हकारोपदेशेन इण् प्रत्याहारे हकारग्रहणस्य उदाहरणमस्ति –
(1) लिलिहिढ्वे (2) देवो हसति
(3) देवा हसन्ति (4) अर्हेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. 'इदुतौ उपधेयस्य समुदायस्य तस्यावयवो यो विसर्जनीयः' सः केन सम्बन्धेन गृह्यते ?
(1) सामानाधिकरण्येन
(2) वैयधिकरण्येन
(3) समवायेन
(4) औपाधिकेन सम्बन्धेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. 'अन्तादिवच्च' इति सूत्रेण यदि अल्विधौ पूर्वान्तत्वं परादित्वं च स्वीक्रियेते चेत्, 'अयजे + इन्द्रम्' – इत्यत्र किमनिष्टं स्यात्
(1) 'एचोऽयवायावः' इति अयादेशः स्यात्
(2) 'एङः पदान्तादति' इति पूर्वरूप एकादेशः स्यात्
(3) 'अकः सवर्णे दीर्घः' इति सवर्णदीर्घः स्यात्
(4) प्रकृतिभावः स्यात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. कस्मिन् प्रत्याहारे हकारग्रहणात् 'रूदादिभ्यः सार्वधातुके' इति सूत्रेण इडागमो भवति ?
(1) शल् – प्रत्याहारे (2) हश् – प्रत्याहारे
(3) अश् – प्रत्याहारे (4) वल् – प्रत्याहारे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. 'प्रत्याहारग्रहणेषु तद्वाच्यवाच्ये निरूढलक्षणा' इत्यत्र "तत्" पदेन अभिप्रेतः अस्ति –
(1) प्रत्याहारः
(2) वर्णसमाम्नायपठितः वर्णः
(3) 'अणुदित् सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इति सूत्र-साहाय्येन प्रयोगस्थः वर्णः
(4) 'तुल्यास्य प्रत्यनं सवर्णम्' इति सूत्रसाहाय्येन सवर्णसंज्ञको वर्णः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. दीक्षितमते 'अन्तादिवच्चे'ति सूत्रविषयेऽसम्बद्धं कथनं चिनुत ?
(1) स्थानिवत्सूत्रेणैव गतार्थमिदं सूत्रम्
(2) इह 'एकः पूर्वपरयोरि'त्यनुवर्तते
(3) अल्विध्यर्थमिदं सूत्रम्
(4) अनल्विधावनिष्टकारकमिदम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. आहिताग्निरपशब्दं प्रयुज्य प्रायश्चितीयां काम् इष्टिं निर्वपेत् ?
(1) हैमवतीम् (2) सारस्वतीम्
(3) पौर्णमासीम् (4) शाश्वतीम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. व्याकरणाध्ययनस्य गौणप्रयोजनानि कियन्ति उक्तानि ?
(1) पञ्च (2) त्रयोदश
(3) द्वादश (4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. शब्दब्रह्मणः प्राप्त्युपायः कः ?
(1) वेदः (2) धर्मः
(3) अर्थः (4) कामः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. वाक्यपदीयानुसारं शब्दाख्यब्रह्मण इदं जगत् ______ ।
(1) विवर्तरूपम् (2) अचिन्त्यरूपम्
(3) चिन्त्यरूपम् (4) प्रकृत्युच्छेदरूपम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. 'यथोद्देशं संज्ञा परिभाषम्' इत्यत्र उद्देश पदस्यार्थः
(1) उपदेशकालः (2) उच्चारणकालः
(3) उपदेशदेशः (4) उद्देश्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. "उदीचां माङः" इति सानुबन्धकस्य धातोः कृतात्वनिर्देशेन कतमा परिभाषा ज्ञाप्यते ?
(1) नानुबन्धकृतमनेकाल्त्वम्
(2) नानुबन्धकृतमसारूप्यम्
(3) नानुबन्धकृतमनेजन्तत्वम्
(4) उभयगतिरिह भवति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. वाच्यवाचकभावापरपर्याया शक्तिः कस्य मते ?
(1) नागेशस्य (2) कुमारिलभट्टस्य
(3) प्रभाकरस्य (4) विश्वनाथ भट्टस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. 'रामार्जुनगतिस्तयोः' इत्यत्र नानार्थकाभ्यां रामार्जुनशब्दाभ्यां शक्तिः केन नियम्यते ?
(1) संयोगेन (2) प्रकरणेन
(3) विरोधेन (4) साहचर्येण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. यथाभूषणं 'कर्तृकर्मणी आख्यातार्थः' इति केषां मतम् ?
(1) नैयायिकानाम् (2) शाब्दिकानाम्
(3) मीमांसकानाम् (4) प्राच्यनैयायिकानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. शाब्दिकैः प्रकृतिप्रत्ययार्थयोः प्रत्ययार्थस्यैव प्राधान्यम् इत्येषः नियमः कुत्र न स्वीक्रियते –
(1) कृत्यान्तेषु (2) कृदन्तेषु
(3) तिङन्तेषु (4) तद्धितान्तेषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. प्रत्याहारेषु केषां ग्रहणं न भवति ?
(1) उपान्त्यवर्णानाम्
(2) आद्यवर्णानाम्
(3) मध्यगानां वर्णानाम्
(4) इताम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. आभ्यन्तर-प्रयत्नद्वयं भवति
(1) हकारस्य (2) इकारस्य
(3) यकारस्य (4) अकारस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. 'मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः' इति सूत्रे 'मुखनासिका' इत्यस्य विग्रहः कः ?
(1) मुखसहिता नासिका
(2) मुखस्य नासिका
(3) मुखेन नासिका
(4) मुखे नासिका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. 'स्थानार्थगुणप्रमाणेषु' चतुर्विधान्तर्येषु गुणशब्दार्थः कः ?
(1) रूपादिगुणाः
(2) बाह्यप्रयत्नः
(3) कालः
(4) स्थानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. 'लृतुलसानां दन्ताः' इत्यत्र 'लृतुलसाः' इत्यस्य विग्रहः कः ?
(1) लृ च तुश्च लश्च सश्च
(2) ला च तुश्च लश्च सश्च
(3) आ च तुश्च लश्च सश्च
(4) लृ च तुश्च ल् च स् च
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. कस्मिन् सूत्रे परेण णकारेण अण् गृह्यते ?
(1) 'अणोऽप्रगृह्यस्यानुनासिकः' इत्यत्र ।
(2) 'अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः' इत्यत्र ।
(3) 'ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः' इत्यत्र ।
(4) 'केऽणः' इत्यत्र ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. 'चादयोऽसत्त्वे' इति सूत्रेण किं विधीयते ?
(1) उपसर्गसंज्ञा (2) गतिसंज्ञा
(3) निपातसंज्ञा (4) धातुसंज्ञा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. 'विभाषा' संज्ञा भवति
(1) निषेधस्यैव
(2) विकल्पस्यैव
(3) निषेधविकल्पयोः
(4) बहुलकार्यस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. "मिदचोऽन्त्यात्परः" इत्यत्र अचः इति पदं वर्तते
(1) निर्धारणे षष्ठ्यन्तम्
(2) दिग्योगपञ्चम्यन्तम्
(3) द्वितीयाबहुवचनान्तम्
(4) प्रथमाया बहुवचनान्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. षष्ठीनिर्दिष्ट आदेशः कस्य स्थाने भवति ?
(1) पूर्वस्यालः
(2) अन्त्यस्यालः
(3) मध्यस्थस्यालः
(4) उपान्त्यस्यालः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. 'उपैधते' इत्यत्र वृद्धिरेकादेशः केन सूत्रेण भवति ?
(1) 'वृद्धिरेचि' इत्यनेन
(2) 'एङि पररूपम्' इत्यनेन
(3) 'एत्येधत्यूठ्सु' इत्यनेन
(4) 'वृद्धिरादैच्' इत्यनेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. द्वे + अपि इत्यत्र भवति
(1) प्रकृतिभावः (2) अयादिसन्धिः
(3) पूर्वरूपसन्धिः (4) वृद्धिसन्धिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. अव + एहि इत्यवस्थायां केन सूत्रेण शुद्धं रूपं भवति ?
(1) 'एत्येधत्यूठ्सु' इति सूत्रेण ।
(2) 'एङि पररूपम्' इति सूत्रेण ।
(3) 'ओमाङोश्च' इति सूत्रेण ।
(4) 'वृद्धिरेचि' इति सूत्रेण ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. 'शिवो वन्द्यः' इति कस्य सूत्रस्य उदाहरणम् ?
(1) 'अतो रोरप्लुतादप्लुते' इत्यस्य ।
(2) 'भो भगोअघो अपूर्वस्य योऽशि' इत्यस्य ।
(3) 'हशि च' इत्यस्य ।
(4) 'व्योर्लघुप्रयत्नतरः शाकटायनस्य' इत्यस्य ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. 'वान्तो यि प्रत्यये' इत्यत्र 'यि' इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) यान्ते (2) यमध्ये
(3) यकारादौ (4) यकारपरतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. "एचोऽयवायावः" इति सूत्रे निमित्तपदं किमस्ति ?
(1) 'एचः' इति ।
(2) 'अयवायावः' इति ।
(3) 'अय्' इति ।
(4) 'अचि' इत्यनुवर्ति पदम् ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. एषु कतमत् सूत्रम् 'एङि पररूपम्' इत्यनेन बाध्यते ?
(1) 'आद्गुणः' इति ।
(2) 'इको यणचि' इत्येतत् ।
(3) 'उपसर्गादृति धातौ' इति ।
(4) 'वृद्धिरेचि' इति ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. एषु 'छे च' इति सूत्रस्योदाहरणं कतमदस्ति
(1) लक्ष्मीच्छाया
(2) चेच्छिद्यते
(3) आच्छादयति
(4) स्वच्छाया
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. एषु कस्मिन् विकल्पे "अकः सवर्णे दीर्घः" इति न प्रवर्तते ?
(1) कपि + इन्द्रः
(2) लक्ष्मी + ईश्वरः
(3) कवी + इमौ
(4) भानु + उदयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. एतेषु श्चुत्वनिषेधकं सूत्रं किम् ?
(1) शात् (2) तोःषि
(3) न पदान्ताट्टोरनाम् (4) तोर्लि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. "तस्माच्छसो नः पुंसि" इत्यत्र 'तस्मात्' इत्यनेन कस्य परामर्शो भवति ?
(1) प्रातिपदिकमात्रस्य
(2) कृतसवर्णदीर्घस्य
(3) कृतपूर्वसवर्णदीर्घस्य
(4) पुँल्लिङ्गमात्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. अधस्तनेषु असाधु रूपयुग्मं चिनुत
(1) क्रोष्ट्रा – क्रोष्टुना
(2) क्रोष्ट्रे – क्रोष्टवे
(3) क्रोष्टुः – क्रोष्टोः
(4) क्रोष्टृणाम् – क्रोष्टूनाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. कश्चन छात्रः हिन्दी कवितायाः आलोचनात्मकव्याख्यां प्रस्तौति तस्य अयम् अधिगमव्यवहारः कस्मिन् अनुक्षेत्रे परिगण्यते ?
(1) संज्ञानात्मक – अनुक्षेत्रे
(2) भावात्मक – अनुक्षेत्रे
(3) मनोगतिक – अनुक्षेत्रे
(4) भावात्मक-संज्ञानात्मक – अनुक्षेत्रे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. अध्यापकाय शिक्षामनोविज्ञानस्य उपयोगिता वर्तते
(1) अन्तर्दर्शनाय (2) बर्हिर्दर्शनाय
(3) भावसाधनायै (4) स्वहितचेतनायै
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. संज्ञानात्मकमनोविज्ञानस्य मुख्य-उपागमः वर्तते
(1) अन्वेषणोपागमः (Heuristic Approach)
(2) सूचनासंसाधनोपागमः (Information Processing Approach)
(3) समस्यासमाधानोपागमः (Problem Solving Approach)
(4) सूचनासम्प्रेषणोपागमः (Information Communication Approach)
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. ई.वी. हरलॉक महोदयानुसारेण 'सामाजिक विकासस्य' अर्थः भवति ?
(1) सामाजिक – अनुरक्षणम्
(2) सामाजिक सम्बन्धानां परिपक्वता
(3) सामाजिक – अनुरूपतायाः सम्भरणम्
(4) सामाजिक-प्रौढतायाः निकषः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. जीन पियाजे अनुसारेण संज्ञानात्मकविकासस्यावस्था नास्ति
(1) संवेदी क्रियात्मक अवस्था
(2) ठोस-संक्रियात्मकावस्था
(3) मनोगततावस्था
(4) प्राक्संक्रियात्मकावस्था
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8184437 8184437 8184437 8184437

126. "विभिन्नप्रजातिषु शारीरिकभेदस्य कारणं वातावरणमेव" कस्य मतमिदम् ?
(1) क्लार्क (Clark) महोदयस्य
(2) कूले (Coole) महोदयस्य
(3) न्यूमैन (Newmen) महोदयस्य
(4) फ्रेंज बोन्स (Frenz Bones) महोदयस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

127. सार्वभौमिक नैतिकसिद्धान्ताभिमुखतास्तरे किशोराणां निर्णयस्याधारा: वर्तन्ते –
(1) बाह्य–सामाजिकापेक्षा – सर्वहितदृष्टि: – परम्परागत मूल्यानि
(2) तार्किक व्यापकता – सार्वभौमिकता – सुसंगति:
(3) सर्वहितदृष्टि: – तार्किक व्यापकता – परम्परागत मूल्यानि
(4) तार्किक व्यापकता – बाह्य–सामाजिकापेक्षा – सुसंगति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

128. समस्यासमाधानविधि: अधिगमस्य अमुं सिद्धान्तम् अवलम्बते –
(1) शास्त्रीयनुबन्धनम् (2) सक्रियानुबन्धनम्
(3) अन्तर्दृष्टि: (4) यत्नदोष:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

129. अनुबन्धनस्थापनात्परम् अनुबन्धित – उद्दीपकस्य बहुश: उपस्थितौ अन्ततोगत्वा अनुबन्धित-अनुक्रियाया: विलोपनं किमुच्यते ?
(1) बाह्य–अवरोध:
(2) विलम्ब–अवरोध:
(3) अनुबन्धित–अवरोध:
(4) समाप्ति–अवरोध:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

130. संज्ञानात्मकमनोविज्ञानस्य क्षेत्रं नास्ति
(1) अवदानम् (2) सम्प्रत्ययनिर्माणम्
(3) चिन्तनम् (4) अवधानम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

131. "व्यवहारस्य, अन्तिमं महत्त्वपूर्ण च स्वरूपं व्यक्तित्वस्य प्रौढ़ताया: दिशायां गमनं परिलक्षितं भवति" स्किनर महोदयस्य अस्य कथनस्य तात्पर्य अस्ति –
(1) किशोराणां विषये
(2) बाल्यावस्थाया: विषये
(3) वयस्कस्य विषये
(4) आत्मनिर्भरस्य छात्रस्य विषये
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

132. किशोरेषु अधिगम–कौशल–विकासाय अध्यापकेन किं कर्तुं शक्यते ?
(1) आधिकारिकं व्यवहारप्रदर्शनम्
(2) आवश्यकतानुरूपं समाधानप्रदानम्
(3) अनुशासनपूर्णं वातावरणनिर्माणम्
(4) अधिगमसिद्धान्तपठनाय निर्देशनम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

133. निम्नलिखितेषु संवेगात्मक-बुद्धि-परीक्षणं नास्ति
(1) मेयर इमोशनल इन्टैलीजैन्स स्केल (MEIS)
(2) मेयर सेलोबे एण्ड कारूसो इमोशनल इन्टैलीजैन्स टैस्ट (MSCEIT)
(3) मेयर बार ऑन कालोलेकनी इन्टैलीजैन्स टैस्ट (MOCIT)
(4) बार ऑन इमोशनल कोशेन्ट इनवेन्टरी (EQI)
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

134. किशोराधिगमकर्तृणां मानसिक-स्वास्थ्याय प्रसन्नतायै च अवांछितानां हानिकारकाणां च अभ्यासानां निराकरणाय अधस्तनेषु का प्रविधि: उपयुक्ता भविष्यति?
(1) क्रमिकपूर्वाभासम् (Serial anticipation)
(2) विरुचि-चिकित्सा (Aversion therapy)
(3) अनुकरणम् (Imitation)
(4) सामान्यीकरणम् (Generalization)
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

8184437

135. बालकानां मानसिकस्वास्थ्यनिर्माणाय शिक्षकः किं न कुर्यात् ?

(1) सहानुभूतिपूर्णं व्यवहारं कुर्यात्

(2) दण्डेन दृढ़ानुशासनं स्थापयेत्

(3) निर्देशनस्य व्यवस्थां कुर्यात्

(4) वैयक्तिभिन्नतानुरूपं व्यवहारं कुर्यात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. समायोजने सहायकः भवति –

(1) अभिक्रमित – अधिगमः

(2) सामाजिक – अधिगमः

(3) अनुकूलित – अधिगमः

(4) अवैयक्तिक – अधिगमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. कश्चन विद्यार्थी यदा विद्यालयस्य हॉकीक्रीडादले चयनितः न भवति तदा स इत्थं वदति यत् "सः आत्मनः चयनं नैव इच्छतिस्म यतोहि चयनितछात्रेषु अधिकांशतः विफलाः भवन्ति" अत्र विद्यार्थिना प्रयुक्तरक्षात्मकयुक्तिरस्ति –

(1) प्रक्षेपणम् (2) प्रतिक्रियाकरणम्

(3) दमनम् (4) तर्कसंगतीकरणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. वैज्ञानिकपृच्छा प्रतिमानस्य कस्मिन् क्षेत्रे उपयोगो न भवति ?

(1) जीवविज्ञानस्य विषयाणां कृते ।

(2) संरचनात्मक–आकलनस्य कृते ।

(3) बालकेषु आत्मविश्वासस्य जागरणाय ।

(4) जीवविज्ञान–सूचनानाम् एकत्रीकरणम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. अधस्तनेषु कः प्रभावीसम्प्रेषणस्य मुख्यविशेषतासु न समाविष्टः ?

(1) समान–सन्दर्भरूपरेखा

(2) समान–रुचिः

(3) समान–भाषा

(4) समान–विषयवस्तु

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. सम्प्रेषणस्य प्रारूपचित्रे रिक्तस्थानं पूरयत

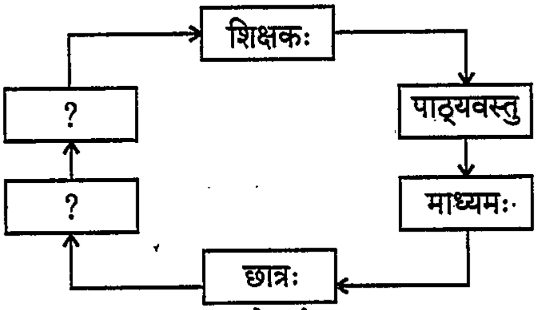

(1) पाठ्यवस्तु, लेखनं च

(2) पाठ्यवस्तु च जिज्ञासा च

(3) पाठ्यवस्तु शङ्का च

(4) पाठ्यवस्तु माध्यमश्च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. निम्नलिखितेषु एस.एम.सी.आर.ई. (SMCRE) एतस्मिन् प्रतिमाने संदेशान्तर्गते एतत् नास्ति –

(1) सूचना

(2) विचारः

(3) विषयः

(4) संचारकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. रचनावादी उपागमप्रक्रियायां कासां प्रविधीनां प्रयोगो न भवति ?

(1) स्व–प्रश्नरचनायै अभिप्रेरणम् ।

(2) समूहकार्याणां कृते प्रोत्साहनम् ।

(3) अधिगमे बहुविध–व्याख्यानाम् अभिव्यक्तीनां च प्रयोगो भवति ।

(4) अधिगमे शिक्षणचातुर्यस्योपयोगं भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. सङ्गणकसहायक-अनुदेशनस्य उपयोगो न भवति
(1) वैयक्तिक-अवधानाय निर्देशनाय च
(2) अधिगमप्रगतेः अनुसारं शिक्षणाय
(3) पृष्ठपोषणाय
(4) सौमनस्य परीक्षणाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8184437

144. विशेषतया अनुदेशनानि प्रशासितुं विद्यार्थिनां पुरतः पाठं प्रस्तोतुं वा विनिर्मितः कार्यक्रमः अस्ति –
(1) हार्डवेयर (Hardware)
(2) सॉफ्टवेयर (Software)
(3) कॉर्सवेयर (Courseware)
(4) कॉमवेयर (Comware)
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8184437

145. निम्नलिखितेषु सॉफ्टवेयर (Software) पद्धत्याः उदाहरणम् अस्ति –
(1) प्रोजेक्टर इति
(2) संगणकम् इति
(3) शिक्षणप्रविधिः इति
(4) पेनड्राइव (Pendrive) इति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8184437

146. संगणक-सहायता प्राप्तानुदेशनस्य (CAI) पक्षः वर्तते –
(1) अनुवर्ग – शिक्षणम्
(2) अपवर्ग – शिक्षणम्
(3) संवर्ग – शिक्षणम्
(4) प्रतिवर्ग – शिक्षणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8184437

147. प्रौढ़शिक्षा जनशिक्षा च इत्यादीनां कार्यक्रमाणां विस्तार-दृष्ट्या किमनुदेशनमुपयुक्तमस्ति ?
(1) जनसहायकानुदेशनम्
(2) कम्प्यूटर प्रबन्धितानुदेशनम्
(3) अभिक्रमितानुदेशनम्
(4) वैयक्तिकानुदेशनम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. प्रभावि-शिक्षणाय मनोविज्ञानस्य उपयोगिता नास्ति
(1) अधिगन्तॄणाम् अभिज्ञानाय
(2) अधिगमानुभवानां चयनाय
(3) अधिगम परिस्थितीनां निर्माणाय
(4) विद्यार्थिनां जीवनवृत्ति-सुरक्षायै
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. मनोविज्ञानदृष्ट्या अधिगमस्योद्देश्यं भवति
(1) अधिगमकर्तुः मनोविज्ञानस्य अध्ययनम्
(2) अधिगमकर्तुः व्यवहारे अनपेक्षितं परिवर्तनम् आनयनम्
(3) अधिगमकर्तुः व्यवहारे अपेक्षितं परिवर्तनम् आनयनम्
(4) अधिगमकर्तुः ज्ञानस्य परीक्षणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. शिक्षकः एकस्य छात्रस्य व्यवहारे यानि परिवर्तनानि आनयितुम् इच्छति तानि आनेतुं प्रमुखावयवेषु मनोविज्ञानदृशा अयमवयवः ऐच्छिकमस्ति –
(1) अधिगमकर्ता
(2) पाठ्यवस्तु
(3) शिक्षकः
(4) कक्षाकक्षः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

818437

818437

818437

818437